अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व विज्ञ (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) प्रकृतिस्थित्यनुभागप्रदेशास्ताभ्देदाः।

(ख) रागद्वेषात्मकोत्तापः कषायः।

(ग) द्वयञ्च करणापेक्षमपि।

(घ) अरूपिणो जीवाः।

(ङ) अनवद्यभाषणं भाषा।

(च) पुनः पुनरासेवनमभ्यासो वा भावना।

प्र. 2 निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 10

(क) अमूर्त्त आत्मा के साथ मूर्त्त कर्म पुद्गलों का सम्बन्ध कैसे हो सकता है?

(ख) कर्मों की उत्कृष्ट स्थिति बतायें।

(ग) अयोग संवर कहां-कहां होता है?

(घ) निसर्गज और निमित्तज इन दोनों शब्दों का क्या तात्पर्य है?

(ङ) सद्भाव के प्रकारों के अर्थ सहित नाम लिखें।

(च) अनशन किसे कहते हैं? उनके प्रकारों का नाम लिखें।

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) सिद्ध करें कि पुण्य की उत्पत्ति स्वतंत्र नहीं होती।

(ख) सिद्ध करें कि सिद्धों की उर्ध्वगति होती है।

(ग) बाह्य तप के भेदों के नाम लिखते हुए अन्तिम भेद का वर्णन करें।

गमा को थोकड़ा–70

प्र. 4 कोई छः प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 6

(क) पृथ्वीकाय का संस्थान कौन सा है?

(ख) पृथ्वीकाय में द्वीन्द्रिय की उत्पत्ति में प्रथम तीन गमा में ज्ञान की नियमा किस अपेक्षा से दी गई है?

(ग) पृथ्वीकाय में असंज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में कितने गमक टूटे व क्यों?

(घ) चार स्थावर में पृथ्वीकाय की उत्पत्ति में गमक 4,5,6 का परिणाम द्वार लिखें।

(ङ) चार स्थावर में तेस्काय की उत्पत्ति में प्रथम गमक की आयु जघन्य, उत्कृष्ट क्या व किस अपेक्षा से है?

(च) चार स्थावर में चतुरिन्द्रिय की उत्पत्ति में अन्तिम गमक में अवगाहना जघन्य व उत्कृष्ट किस अपेक्षा से है?

(छ) चार स्थावर में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में 4 ज्ञान की भजना किस अपेक्षा से दी गई है?

प्र. 5 कोई पांच दो प्रश्नों के उत्तर दें– 10

(क) पृथ्वीकाय में कितने व कौन से स्थानों से उत्पत्ति होती है?

(ख) यंत्र 74 में प्रथम नरक के नैरयिक की जघन्य व उत्कृष्ट अवगाहना कितनी है?

(ग) प्रथम 6 समुद्घात कौन से हैं?

(घ) माहेन्द्र देवलोक की ज्ञान-अज्ञान की नियमा को स्पष्ट करें।

(ङ) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में आठवें देवलोक से उत्पत्ति में लेश्या व अध्यवसाय को अपेक्षा भेद से लिखें।

(च) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में नैरयिक की उत्पत्ति में द्वितीय और तृतीय नरक के नैरयिक की उत्कृष्ट अवगाहना लिखें।

प्र. 6 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर दें– 54

(क) पृथ्वीकाय में वायुकाय की उत्पत्ति में परिमाण द्वार, अनुबंध द्वार और भव लिखें।

(ख) पृथ्वीकाय में चतुरिन्द्रिय की उत्पत्ति में उपपात द्वार, दृष्टि और नाणता लिखें।

(ग) यंत्र 43 का काय संवेध द्वार लिखें।

(घ) चार स्थावर में पृथ्वीकाय की उत्पत्ति में उपपात, आयु व भव लिखें।

(ङ) अप, वायु, वनस्पति काय में तेजसकाय की उत्पत्ति में कायसंवेध में अन्तिम तीन गमक का उत्कृष्ट काल लिखें।

(च) चार स्थावर में वनस्पति की उत्पत्ति का परिमाण द्वार, अवगाहना और नाणता लिखें।

(छ) चार स्थावर में त्रीन्द्रिय की उत्पत्ति में अन्तिम तीन गमक के कायसंवेध में अप और तेजस में त्रीन्द्रिय के जघन्य-उत्कृष्ट काल लिखें।

(ज) चार स्थावर में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में लेश्या द्वार से कषाय द्वार तक लिखें।

(झ) यंत्र 90 का अवगाहना द्वार, समुद्घात द्वार एवं नाणता लिखें।

(ञ) यंत्र 102 का कायसंवेध द्वार लिखें।

(ट) तीन विकलेन्द्रिय में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में परिमाण द्वार, लेश्या, दृष्टि व ज्ञान-अज्ञान लिखें।